

28/3/22

वकूलाय प्र. 1 र. 0. 2 5000 3000

र. 0. 2 5000 से बहारा ककुरा से कांठेर शाला /
उधारावेह शाला के लक्ष्मी में। रिपोर्ट वेशा की (भा. मि)
का ककुरा आसोवक्य कर्षी व र. 0. 2 5000 ककुरा
विभागत अलाव वर लक्ष्मी गरी।

पत्रवली का प्रसोक्त किया गया। ककुरा
सेलेरि प्रथम नजदी नकमा का अत्यन्त किया गया।
आसोवक्य प्रथम कर्षी का प्रपनी कांठेरी शक्ति कोट
भा. मि (व. न. 5. 7. 11 व 2) से अने जने हेतु प्रार्थी
A, B, C, D व E व. न. 17, 16, व 13 से ले के
हुये चलाये पथारी सेलेरि प्रसार प्रार्थी G, F
व. न. 9 व 10 से ले के हेतु इस नजदीकल घेता
जलाय है। प्रार्थी आसोवक्य प्रथम कर्षी का कांठेर
शाला नजदीकल रही है। (करी इतीकाये) नजदीकल
शाला जेदा र. 0. 2 5000 से सेलेरि से कांठेर
हे इतले खाहेगाणु का आसोवक्य प्रथम कर्षीका
ने पथोकाराणु क्षोणित रही कुरा व

आ. उपरोक्त विवेक / विवेक के प्रधार
पर आसोवक्य प्रथम कर्षी का ककुरा कर्षीका
प्रथम 0/5 251 से के अवधानागत रही है। एका
कलीन घेरा ले ककुरा रही करे से कांठेर कुरा
कांठेर पथारी प्रसार कुरा नकुर से कांठेर